विधानसभा में उपयोगार्थ

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

पेट्रोलियम विभाग, जयपुर

वार्षिक प्रशासनिक एवं प्रगति प्रतिवेदन 2023–24

(दिसम्बर 2023 तक)

जयपुर, जनवरी, 2024

वार्षिक प्रशासनिक एवं प्रगति प्रतिवेदन 2023–24

(दिसम्बर 2023 तक)

राजस्थान राज्य खनिज बहुल प्रदेश है जिसमें प्रकृति के वरदान के फलस्वरूप 'ब्लैक गोल्ड' नाम से मशहूर खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस के विपुल भंडार निहित हैं। राज्य सरकार के प्रयासों से इस प्राकृतिक संपदा के अन्वेषण, विकास एवं दोहन कार्य हेतु लगभग 60 हजार वर्ग कि.मी. भूमिय क्षेत्र को चिन्हित किया गया । वर्तमान में कुल 14 पीईएल ब्लॉक राजस्थान में कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस अन्वेषण कार्य हेतु स्वीकृत है तथा 12 पीएमएल में विकास एवं दोहन का कार्य प्रगति पर है (सारणी संख्या 3 व 4)। राजस्थान देश में कच्चे तेल के उत्पादन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। राज्य में देश के कुल उत्पादन (29.2 एमएमटीपीए) का लगभग 17.36 प्रतिशत (5.07 एमएमटीपीए) कच्चे तेल का उत्पादन होता है जो कि देश में बॉम्बे हाई के बाद द्वितीय स्थान पर है।

पेट्रोलियम निदेशालय के वर्ष 1997 में गठन के उपरांत अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में अधिकतम ऑनलैंड क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा पेट्रोलियम अन्वेषण एवं विकास का कार्य प्रगति पर है।

क. <u>राज्य में पेट्रोलियम सेक्टर में उल्लेखनीय उपलब्धियां</u>

- राज्य में कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की खोज से राजस्थान ने देश के तेल मानचित्र में अहम स्थान बना लिया है।
- राज्य के 4 पेट्रोलियम संभाव्य बेसिन जैसलमेर बेसिन, बाड़मेर–सांचोर बेसिन, बीकानेर–नागौर बेसिन एवं विन्धयन बेसिन लगभग 1,50,000 वर्ग. किमी. क्षेत्रफल में फैले हुए हैं।
- केन्द्र सरकार की उदारीकरण नीति, 1991 के फलस्वरूप हाइड्रोकार्बन सेक्टर में ''अन्वेषण एवं विकास'' हेतु बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं निजी कम्पनियों की भागीदारी संयुक्त अन्वेषण, एन.ई.एल.पी., ओएएलपी एवं डीएसएफ प्रतिस्पर्धात्मक बिडिंग के माध्यम से सुनिश्चित हुई। राज्य में कुल 1,50,000 वर्ग किमी पेट्रोलियम ऑनलाईन बेसिन के अन्तर्गत लगभग 60,000 वर्ग किमी. क्षेत्र कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की खोज हेतु चयनित है।
- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय तेल कम्पनियां ओएनजीसी एवं ऑयल इण्डिया की मोनिटरिग में देश के 22 सेडिमेन्ट्री बेसिन में वृहद स्तर पर 42211 LKM द्विआयामी सिस्मिक सर्वे के लिए EOI जारी की गई है, जिसमें राजस्थान के चार पेट्रोलिफेरस बेसिन में लगभग 3384 वर्ग किमी. में महानिदेशालय हाइड्रोकार्बन, भारत सरकार द्वारा द्विआयामी (2-D) भूकम्पीय आकडों के संग्रहण का कार्य नवम्बर 2016 से जून 2019 के मध्य किया गया, जिसे ओएनजीसी एवं ऑयल इण्डिया लि0 द्वारा मोनिटर किया गया है। इस

क्रम में जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, नागौर, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ, झालावाड, बांसवाडा, प्रतापगढ, बांरा, भीलवाडा एवं चित्तौडगढ जिले में वर्ष 2016–17 में 934.28 लाइन कि.मी, 2017–18 में 1590.28 लाइन कि.मी., 2018–19 में 674.14 लाइन कि.मी. एवं 2019–20 में 144. 74 लाइन कि.मी. द्वि–आयामी भूकम्पीय सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं इस अभियान के तहत कुल 3343.44 लाइन कि.मी. के ऑकडों का संग्रहण किया गया है।

- ओएनजीसीएल द्वारा वर्ष 2022–23 में 291.99 लाईन किलोमीटर एवं 246.9531 वर्ग किलोमीटर सिस्मिक सर्वे का कार्य पूर्ण किया गया है।
- केयर्न वेदान्ता द्वारा वर्ष 2022 में 532.975 लाइन कि.मी. द्वि–आयामी भूकम्पीय सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- केयर्न वेदांता लिमिटेड़ के नवीनतम आंकलन के अनुसार बाड़मेर–सांचोर बेसिन में लगभग 150.40 मिलियन बैरल कच्चे तेल के सिद्ध भंडार निहित है तथा मंगला ऑयल फील्ड–विगत 3 दशकों में देश की सबसे बडी भूमिय खोज माना गया है।
- बाडमेर–सांचोर बेसिन से खनिज तेल का उत्पादन दिनांक 29.08.2009 से आरम्भ होकर माह 31 दिसम्बर, 2023 तक कुल उत्पादन 970.21 लाख मैट्रिक टन अर्थात 698.21 मिलियन बैरल हो चुका है। कम्पनी द्वारा इस क्षेत्र में अब तक दोहन हेतु कुल 923 कुएं खोदे जा चुके हैं।
- जैसलमेर बेसिन में ओएनजीसी, ऑयल इण्डिया लि., एवं फोकस एनर्जी द्वारा क्रमशः मनहेरा टिब्बा, तनोट–डांडेवाला क्षेत्र, एसजीएल एवं एसएसजी व एसएसएफ फील्ड से लगभग 5270 मिलियन घन मीटर प्राकृतिक गैस के सिद्ध भण्डारों का आंकलन किया गया है, जिसमें वर्तमान में ऑयल इण्डिया द्वारा लगभग 4.5–5 लाख घन मीटर प्राकृतिक गैस प्रतिदिन तथा मैसर्स फोकस एनर्जी द्वारा लगभग 4.2–5.2 लाख घनमीटर प्राकृतिक गैस प्रतिदिन गेल इंडिया एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के साथ किए गए करार के अन्तर्गत रामगढ़ पावर प्लांट को सप्लाई की जा रही हैं। केयर्न वेदान्ता द्वारा बाडमेर सांचोर बेसिन से वर्तमान में लगभग 30–34 लाख घन मीटर प्रतिदिन गैस का वाणिज्यिक उत्पादन किया जा रहा है। इस प्रकार वर्तमान में राज्य से लगभग 40–44 लाख घनमीटर प्रतिदिन प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जा रहा है।
- भारी तेल के 25 मिलियन टन एवं बिटुमिन के 53 मिलियन टन प्रमाणित भण्डारों के दोहन हेतु पायलट परीक्षण हेतु ऑयल इंडिया द्वारा वेनेजुएला की पीडीवीएसए कम्पनी के साथ किये गये करार के अन्तर्गत भारी तेल के परीक्षण हेतु बागेवाला क्षेत्र में दो परीक्षण कुओं की खुदाई की गई। इसके अन्तर्गत लगभग 64 मैट्रिक टन भारी तेल का परीक्षण उत्पादन किया गया। वर्तमान में लगभग 570 बैरल प्रतिदिन भारी तेल का उत्पादन किया जा रहा है जिसे तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुमोदन के उपरांत आई.ओ.सी.एल. को विक्रय किया जा रहा है।

- ♦ ऑयल इण्डिया लिमिटेड द्वारा बीकानेर–नागौर बेसिन में NELP Block RJ-ONN-2004/2 में एक नया तेल क्षेत्र पूनम की खोज की गई। तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से जारी अप्राइजल अवधि में परीक्षण उत्पादन किया गया, परंतु वाणिज्यिक रूप से व्यवहारिक न होने के कारण उक्त ब्लॉक को अध्यर्पित कर दिया गया है।
- ♦ राज्य में 14 पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन ब्लॉक्स पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा Open Acreage Licensing Programme (OALP) के अंतर्गत अवार्ड किये जाने के उपरांत राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति आदेश जारी किए गए हैं। उक्त 14 ब्लॉक में OALP-I में वेदांता लि0 को 8 ब्लॉक अन्वेषण हेतु स्वीकृत हुए हैं। OALP-II व OALP-III के अंतर्गत वेदांता लि0 एवं ऑयल इंडिया लि0 को एक–एक, OALP-IV के अंतर्गत ओएनजीसीएल को एक पीईएल ब्लॉक स्वीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त OALP-V के अन्तर्गत ऑयल इण्डिया लिमिटेड को दो पीईएल ब्लॉक तथा OALP-VII के अंतर्गत गेल इण्डिया लिमिटेड को एक पीईएल ब्लॉक स्वीकृत किए गए हैं। उपरोक्त पीईएल ब्लॉक्स में अन्वेषण का कार्य चल रहा है। जिससे राज्य में खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस के अतिरिक्त भण्डार मिलने की संभावनाऐं है।

रिफाईनरी परियोजना

राज्य सरकार एवं एचपीसीएल के संयुक्त उद्यम एचआरआरएल के अंतर्गत 9 मिलियन टन वार्षिक क्षमता की रिफायनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स परियोजना की स्थापना पचपदरा जिला बालोतरा में की जा रही है। यह बीएस–6 मानक वाली देश की प्रथम ऐसी परियोजना है, जिसमें रिफायनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का समिश्रण है अर्थात् पहली बार दोनों एक साथ (Integrated) होने का प्रदेश में अनूठा प्रयास किया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है:–

- लीज डीड दिनांक 29.09.2017 को निष्पादित की गई है।
- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 09.10.2017 को परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई।
- MoEF द्वारा दिनांक 13.09.2017 को परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी की गई ।
- परियोजना लागत– रूपये 43,129 करोड, संशोधित लागत रूपये 72,937 करोड
- उत्पाद– Fuels and Petrochemicals (पेट्रोउत्पाद जैसे कि पेट्रोल, डीजल, केरोसिन एवं पेट्रोकेमिकल जैसे कि पॉलीप्रोपिलिन, पॉलीएथिलीन, ब्यूटाडाइन, बेन्जीन, टॉलूइन इत्यादि)
- परियोजना से राज्य सरकार को पेट्रो उत्पाद एवं पेट्रोलियम उत्पाद से अतिरिक्त कर राजस्व एवं इक्विटी भागीदारी से लाभांश।

- रिफायनरी संचालन पर प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे, किन्तु सहायक उद्योगों (Ancillary Industries) के लगने से अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जिसमें स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- एचपीसीएल की इक्विटी– 74%
- राज्य सरकार की इक्विटी– 26%
- परियोजना स्थलः पचपदरा, जिला–बालोतरा
- 4567.32 एकड भूमि रिफाइनरी एवं पेट्रोकैमिकल कॉम्पलेक्स स्थापित करने हेतु आवंटित
- 97.09 एकड भूमि वाटर रिजर्वायर एवं पम्पिंग स्टेशन विकसित करने हेतु आवंटित
- 250 एकड भूमि एच.पी.सी.एल. को मार्केटिंग टर्मिनल के विकास हेतु आवंटित
- इन्दिरा गांधी नहर से 28 MGD पानी की उपलब्धता।

राजस्थान रिफाइनरी परियोजना की प्रगतिः–

- परियोजना पर निर्माण कार्य हेतु माह दिसम्बर, 2023 तक रूपये 68,402 करोड के क्रयादेश जारी एवं रूपये 39,550 करोड का व्यय।
- रिफाईनरी साइट पर चारदीवारी, बन्ड वॉल, आंतरिक सडकें, वॉटर रिजर्वायर निर्माण एवं साइट ग्रेडिंग एवं कंस्ट्रक्शन पावर डिस्ट्रिब्यूशन व पाईलिंग का कार्य पूर्ण।
- मुख्य वेयर हाउस का निर्माण कार्य पूर्ण।
- मंगला क्रूड ऑयल पाइप लाइन, आयातित अरब मिक्स क्रूड ऑयल पाइप लाइन एवं नाचना से बागुन्डी तक वाटर पाइप लाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर।
- बागूंडी से रिफाइनरी साइट तक पानी की पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण व पाईपलाईन शुरू।
- सभी 13 प्रोसेस यूनिट के बीडीईपी (बेसिक डिजाइन इंजीनियरिंग पैकेज) का कार्य पूर्ण।
- 13 प्रोसेस यूनिट के सभी 10 ईपीसीसी (इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेन्ट कन्स्ट्रक्शन एंड कमिशनिंग) कॉन्ट्रक्ट जारी एवं निर्माण कार्य प्रगति पर।
- नाचना वॉटर रिजर्वायर एवं टाउनशिप में वॉटर रिजर्वायर बनाने हेतु क्रयादेश जारी एवं निर्माण कार्य प्रगति पर।
- कूलिंग वॉटर सिस्टम, इफ्ल्यूएन्ट ट्रीटमेंट प्लांट व सॉलिड वेस्ट हैंडलिंग फेसिलिटी डिस्ट्रीब्यूटेड कन्ट्रोल सिस्टम, प्रोडेक्ट एवं इंटरमिडिएट स्टोरेज टेंक, फ्लेयर सिस्टम, रॉ वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं कम्प्रेसड एयर व नाइट्रोजन प्लांट टाउनशिप के ईपीसीसी कॉन्ट्रेक्ट हेतु क्रयादेश जारी।

- टाउनशिप में CISF बिल्डिंग, गेस्ट हाउस एवं ऑफिस निर्माण कार्य पूर्ण।
- परियोजना पर दिसम्बर, 2023 तक लगभग 73.8 प्रतिशत कार्य पूर्ण एवं 25,000 से अधिक श्रमिक कार्यरत।

डिस्कवर्ड स्मॉल फिल्ड पॉलिसी

- ♦ तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 14.10.2015 को नई डिस्कवर्ड स्माल फिल्ड पॉलिसी (DSF) का गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इस पॉलिसी के अन्तर्गत ओ.एन. जी.सी.एल एवं ऑयल इंडिया लिमिटेड द्वारा लम्बे समय से जो क्षेत्र अपने पास रखे हुये थे एवं उन क्षेत्रों में उनके द्वारा कोई भी अन्वेषण एवं दोहन का कार्य नहीं किया जा रहा था उन क्षेत्रों को चिन्हित कर नोटिफाइड किया गया। जैसलमेर बेसिन में डिस्कवर्ड स्मॉल फिल्ड बिड राउंड–II (DSF-II) व डिस्कवर्ड स्मॉल फिल्ड बिड राउंड–III (DSF-III) में राज्य का एक–एक ब्लॉक पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमोदन के उपरांत तेल एवं गैस की खोज एवं दोहन के लिए राज्य सरकार द्वारा क्रमशः ओएनजीसीएल एवं ऑयल इण्डिया लिमिटेड के पक्ष में पेट्रोलियम खनन पट्टा के लिए स्वीकृति आदेश जारी किए गए है।

डिस्कवर्ड स्मॉल फिल्ड के ब्लॉक्स की स्थिति निम्नानुसार हैः–

क्र. सं.	क्षेत्र का नाम	क्षेत्र वर्ग कि0मी0	किसके पक्ष में	आवटंन की दिनांक
1.	चिन्नेवाला, जिला जैसलमेर	73.004	ओएनजीसीएल.	02.12.2019
2.	बाखरीटिब्बा, जिला–जैसलमेर	66.67	ऑयल इण्डिया लि0	16.06.2023

हाइड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसेंस नीति (HELP) के अंतर्गत ओपन एकिज लाइसेंसिंग प्रोग्रम (OALP)

केन्द्र सरकार द्वारा नवीन Open Acreage Licensing Programme (OALP) के अंतर्गत राजस्थान में 14 नये ब्लॉक आवंटित किए गए हैं, जिसकी सूचना निम्नानुसार हैः–

क.सं.	ब्लॉक नम्बर	क्षेत्र वर्ग कि.मी.	किसके पक्ष में	जिला
1	RJ-ONHP-2017/1	542.33 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	बाडमेर
2.	RJ-ONHP-2017/2	1071.97 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	बाडमेर–जालोर
3.	RJ-ONHP-2017/3	1418.33 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	जालोर
4.	RJ-ONHP-2017/4	1087.29 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	बाडमेर–जालोर
5.	RJ-ONHP-2017/5	916.60 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	बाडमेर
6.	RJ-ONHP-2017/6	924.60 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	बाडमेर
7.	RJ-ONHP-2017/7	602.63 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	बाडमेर
8.	CB-ONHP-2017/10	2766 वर्ग कि.मी. (666.19 वर्ग कि.मी. राजस्थान में)	वेदांता लि.	जालोर–गुजरात

9.	RJ-ONHP-2018/1	417.44 वर्ग कि.मी.	वेदांता लि.	जैसलमेर
10.	RJ-ONHP-2018/2	3016.34 वर्ग कि.मी.	ऑयल इंडिया लि.	बीकानेर
11.	RJ-ONHP-2019/1	2118.83 वर्ग कि.मी.	ओएनजीसीएल	बीकानेर
12.	RJ-ONHP-2019/2	152.08 वर्ग कि.मी.	ऑयल इंडिया लि.	बीकानेर–जोधपुर
13.	RJ-ONHP-2019/3	1819.48 वर्ग कि.मी.	ऑयल इंडिया लि.	बीकानेर– जैसलमेर
14.	RJ-ONHP-2021/1	486.39 वर्ग कि.मी.	गेल इंडिया लि.	बाडमेर– जैसलमेर

<u>हाइड्रोकार्बन उत्पादन एवं राजस्व</u>

वर्ष	उत्पादन दर प्रतिदिन		राजस्व			
	खनिज तेल (लाख बैरल)	**प्राकृतिक गैस** (लाख घन मीटर)	**रॉयल्टी खनिज तेल–20%** (रूपये करोड)	**रॉयल्टी प्राकृतिक गैस–10%** (रूपये करोड)	**डैड रेंटः पीईएल फीस, आदि** (रूपये करोड)	**कुल** (रूपये करोड)
2021–22	1.16–1.20	37–50	3601.01	384.54	9.72	3995.27
2022–23	0.90–1.10	41–47	4322.14	555.14	11.894	4889.17
2023–24 (दिसम्बर, 2023 तक)	0.82–0.94	40–44	2235.75	407.10	12.10	2654.94

(ख) <u>हाइड्रोकार्बन सेक्टर के अन्तर्गत अन्वेषण एवं उत्पादन (E&P) हेतु वर्तमान में जारी परियोजनाऐं</u>

पेट्रोलियम संभावित क्षेत्र

- राज्य में 4 पेट्रोलियम संभाव्य बेसिन हैंः जैसलमेर बेसिन, बाडमेर–सांचोर बेसिन, बीकानेर–नागौर बेसिन एवं विन्ध्यन बेसिन। इनमें से प्रथम 3 बेसिन में हाइड्रोकार्बन की खोज एवं महत्वता को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्र सरकार ने इसे तृतीय श्रेणी से प्रथम श्रेणी में क्रमोन्नत किया है, अर्थात मुम्बई–हाई, आसाम एवं गुजरात के समकक्ष रखा गया है।
- यह 4 बेसिन राज्य के 14 जिलों बाडमेर, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, जालौर, जोधपुर, कोटा, झालावाड़, बांरा, बूंदी, चितौड़गढ, भीलवाड़ा में लगभग 1 लाख 50 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैले हुए है।
- राज्य में चयनित 60 हजार वर्ग किमी0 भूमीय क्षेत्र के अन्तर्गत वर्तमान में वस्तुतः 14 पीईएल ब्लॉक के अन्तर्गत तेल एवं गैस के अन्वेषण कार्य तथा 12 पीएमएल ब्लॉक के अन्तर्गत भूमीय क्षेत्र में तेल, गैस एवं हेवी ऑयल अन्वेषण, विकास एवं दोहन का कार्य प्रगति पर है।
- OALP-I, OALP-II, OALP-III, OALP-IV, OALP-V एवं OALP-VII में राज्य में कुल 14 ब्लॉक पीईएल हेतु आवंटित किए गए हैं।
- वर्तमान में राज्य में राष्ट्रीय, बहुराष्ट्रीय एवं निजी कम्पनियों द्वारा अन्वेषण एवं विकास कार्य किया जा रहा है।

खोजे गये खनिज तेल, भारी तेल एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र (Discovery Fields)

- राज्य में खनिज तेल, भारी तेल एवं प्राकृतिक गैस के दोहन हेतु 12 पेट्रोलियम खनन पट्टे (क्षेत्रफल लगभग 4711.87 हजार वर्ग किमी.) स्वीकृत है जिसमें दोहन का कार्य प्रगति पर है।

खनिज तेल

- बाडमेर–सांचोर बेसिन में केयर्न वेदांता लिमिटेड़ द्वारा अब तक कुल 38 तेल एवं गैस क्षेत्रों की खोज की गई जो कि इस प्रकार हैः– गुढा, सरस्वती, रागेश्वरी ऑयल, रागेश्वरी डीप गैस, कामेश्वरी, मंगला, ऐश्वर्या, विजया, वंदना, बाडमेर–हिल, भाग्यम, शक्ति, जीएसवी, एन–सी–वेस्ट, एनआई, भाग्यम–साउथ, एनआई–नोर्थ, एनई, एनपी, शक्ति–एनई–1, केडब्ल्यू–2, केडब्ल्यू–3, सरस्वती क्रेस्ट, केडब्ल्यू–6, तुकाराम, रागेश्वरी–एस1, एबीएच, वी2वाई–चैनल, गुढा–एस7, एनआर–3, केडब्ल्यू–8, एसएल–1, एनएल–2, डीपी–1, सरस्वती–एसडब्ल्यू, ऐश्वर्या–46, सरस्वती बेसमेन्ट एवं रागेश्वरी नोर्थ–1। इसमें से 16 खोजे गए क्षेत्रों से तेल व गैस का उत्पादन किया जा रहा है।
- इस बेसिन में लगभग 150.40 मिलियन बैरल तेल के सिद्ध भण्डार का नवीनतम आंकलन किया गया तथा मंगला ऑयल फील्ड विगत 3 दशकों में देश में सबसे बडी भूमिय (On-land) खोज माना गया है।
- बाड़मेर–सांचोर बेसिन से खनिज तेल का उत्पादन दिनांक 29.08.2009 से प्रारंभ होकर माह दिसम्बर 2023 तक कुल 970.21 लाख मैट्रिक टन अर्थात 698.21 मिलियन बैरल हो चुका है।

भारी तेल (Heavy Oil)

- बीकानेर–नागौर बेसिन में बाघेवाला, कलरेवाला, तावरीवाला क्षेत्रों में भारी तेल के 25 मिलियन टन एवं बिटुमिन के 53 मिलियन टन प्रमाणित भण्डारों के दोहन हेतु ऑयल इंडिया द्वारा वेनेजुएला की पीडीवीएसए कम्पनी के साथ किये गये करार के अन्तर्गत बाघेवाला क्षेत्र में दो परीक्षण कुओं की खुदाई की गई। इसके अन्तर्गत लगभग 64 मैट्रिक टन भारी तेल का परीक्षण उत्पादन किया गया। वर्तमान में 570 बैरल प्रतिदिन भारी तेल का उत्पादन प्रगति पर है।
- इसके अतिरिक्त NELP BLOCK RJ-ONN-2004/2 में पूनम वैल में भारी तेल की वर्ष 2011–12 के दौरान खोज की गई, जिसमें परीक्षण उत्पादन 1428 बैरल किया गया। परंतु वाणिज्यिक रूप से व्यवहारिक न होने के कारण उक्त ब्लॉक को अध्यर्पित कर दिया गया है।

प्राकृतिक गैस

- जैसलमेर बेसिन में ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड एवं फोकस एनर्जी द्वारा क्रमशः मनहेरा– टीबा, तनोट– डांडेवाला क्षेत्र, एसजीएल एवं एसएसजी व एसएसएफ फिल्ड से लगभग 5270 मिलियन घन मीटर प्राकृतिक गैस के भण्डार सिद्ध किए जा चुके हैं, जिसमें

वर्तमान में ऑयल इंडिया द्वारा लगभग 4.5–5 लाख घन मीटर प्रतिदिन प्राकृतिक गैस उत्पादित कर रामगढ विद्युत संयंत्र को सप्लाई की जा रही है। ओएनजीसीएल के फिल्ड से गैस का उत्पादन हाई डयू पाइंट होने के कारण गेल द्वारा दिनांक 03.10.2018 से गैस की सप्लाई नहीं ली जा रही है।

- मैसर्स फोकस एनर्जी द्वारा गेल इंडिया एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के साथ किए गए करार के अन्तर्गत वर्तमान में लगभग 4.2–5.2 लाख घनमीटर प्राकृतिक गैस का प्रतिदिन उत्पादन किया जा रहा है एवं गैस की रामगढ़ पावर प्लांट को सप्लाई की जा रही हैं।
- केयर्न वेदांता लिमिटेड द्वारा बाडमेर सांचोर बेसिन में 5621.9 मिलियन घन मीटर प्राकृतिक गैस के भण्डार सिद्ध किए जा चुके हैं तथा वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 30–34 लाख घनमीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जा रहा है। इस प्रकार राज्य से वर्तमान में प्रतिदिन कुल 40–44 लाख घनमीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन प्रगति पर है।

राज्य में तेल एवं गैस हेतु खोज कार्य

- राज्य में चयनित लगभग 60 हजार वर्ग कि.मी. भूमीय क्षेत्र के अंतर्गत वर्तमान में वस्तुतः 14 पीईएल ब्लॉक के अन्तर्गत तेल, गैस एवं हेवी ऑयल का अन्वेषण कार्य तथा 12 पीएमएल ब्लॉक में भी तेल, गैस एवं हेवी ऑयल अन्वेषण, विकास एवं दोहन का कार्य प्रगति पर है।
- राज्य में राष्ट्रीय तेल कम्पनियों जैसे कि ओएनजीसी एवं ऑयल इण्डिया लि. के अतिरिक्त बहुराष्ट्रीय/निजी कम्पनियाँ जैसे कि केयर्न वेदांता लिमिटेड़, फोकस एनर्जी, इत्यादि कार्यरत है।
- फरवरी, 2022 में वेदांता लिमिटेड के पीईएल ब्लॉक RJ-ONHP-2017/1 में एक नये तेल क्षेत्र ''दुर्गा'' की खोज की गई है। क्षेत्र की व्यवसायिक उपयोगिता का परीक्षण जारी है।
- बीकानेर क्षेत्र के नाल बडी एवं सालासर में ओएनजीसीएल के पीईएल ब्लॉक RJ-ONHP-2019/1 में seismic survey में खनिज भारी तेल के संकेत मिले है। इन क्षेत्रों में आगामी खोज के लिये कुओं की खुदाई का कार्य प्रारम्भ।

ग.) <u>पेट्रोलियम निदेशालय</u>

पेट्रोलियम निदेशालय राज्य सरकार के लिये राजस्व प्राप्त करने वाला विभाग है। इसके सतत प्रयासों से जो राजस्व लक्ष्य वर्ष 1996–97 में लगभग 25 लाख रुपये था, पेट्रोलियम निदेशालय के प्रयासों से बढाकर वर्ष 2013–14 में रूपये 5953.11 करोड का राजस्व अर्जन किया गया। वर्ष 2015–16 में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खनिज तेल की कीमत में गिरावट के कारण पेट्रोलियम निदेशालय का राजस्व रूपये 2341.43 करोड एवं वर्ष 2016–17 में कुल रूपये 2331.73 करोड का राजस्व अर्जित किया गया। वर्ष 2018–19 में कुल रूपये 3883.22 करोड, वर्ष 2019–20 में

कुल रूपयें 3320.10 करोड का राजस्व अर्जन किया गया। वित्तीय वर्ष 2020–21 में कोविड–19 महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के मूल्य में आई भारी गिरावट के परिणामस्वरूप रूपये 1904.79 करोड़ का राजस्व अर्जन किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021–22 में कुल रूपये 3995.40 करोड़ एवं वित्तीय वर्ष 2022–23 में रूपये 4889.17 करोड का राजस्व अर्जन किया गया। चालू वित्तीय वर्ष के माह दिसम्बर, 2023 तक रूपये 2654.94 करोड का राजस्व अर्जन किया गया है।

पेट्रोलियम निदेशालय के निम्न मुख्य उद्देश्य हैंः–

1. पेट्रोलियम अन्वेषण हेतु ब्लॉक चिन्हित करना तथा राष्ट्रीय/बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को पेट्रोलियम अन्वेषण एवं विकास हेतु सहयोग देना।
2. पेट्रोलियम अन्वेषण अनुज्ञा पत्र (पीईएल)/खनन पट्टा (पी.एम.एल.) जारी करने हेतु आवेदन प्राप्त करना एवं आवंटित क्षेत्रों की पी.ई.एल. फीस व रॉयल्टी राशि एकत्रित करना।
3. खनन पट्टों के अनुदानित क्षेत्रों की पेट्रोलियम मंत्रालय की केन्द्र सरकार से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में लीजडीड संपादित करना।
4. राज्य एवं केन्द्र सरकार के स्तर पर तेल एवं प्राकृतिक गैस की खोज एवं विकास से संबंधित कार्यों में समन्वय रखना तथा कम्पनियों को वैधानिक स्वीकृतियां जारी कराने में सहयोग देना तथा पेट्रोलियम सम्बन्धित प्रस्ताव तैयार करना।
5. पेट्रोलियम अन्वेषण अनुज्ञा पत्र (पीईएल)/खनन पट्टा (पी.एम.एल.) जारी करने हेतु आवंटित प्रकरणों की जांच करके शीघ्रता से कार्यवाही की जाकर रियायती प्रस्ताव शासन को प्रेषित करना।
6. राजस्थान रिफाइनरी परियोजना से संबंधित कार्यों में विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय रखना।

राज्य में अरावली रेन्ज के पश्चिम में विस्तृत रेगिस्तानी भू–भाग में हाइड्रोकार्बन व लिग्नाईट के भंडार निहित हैं। यह भू–भाग लगभग 1,50,000 वर्ग कि.मी. में फैला हुआ है। इसके अतिरिक्त पूर्व में विंध्याचल पठार (हाडौती क्षेत्र) में भी हाइड्रोकार्बन की उपलब्धता चिन्हित की गई है।

राज्य में निम्न चार पेट्रोलियम संभाव्य क्षेत्र (बेसिन) हैंः–

अ	जैसलमेर बेसिन	:	जिला जैसलमेर एवं अंशतः बीकानेर
ब	बाड़मेर–सांचोर बेसिन	:	जिला बाड़मेर एवं अंशतः जालौर
स	बीकानेर–नागौर बेसिन	:	जिला बीकानेर, नागौर, गंगानगर, हनुमानगढ एवं चुरू
द	विन्धयन बेसिन	:	जिला कोटा, झालावाड धौलपुर, करौली, बारां एवं अंशतः बूंदी, सवाई माधोपुर एवं भीलवाडा।

पेट्रोलियम रेगुलेशन

- ➢ मुख्यतः प्रथम दो बेसिन में पेट्रोलियम खोज का विस्तृत कार्य किया गया है। अन्य दो बेसिन में **भारत सरकार की उदारीकरण नीति 1991** के उपरांत पेट्रोलियम क्षेत्र में निजी एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के फलस्वरूप अन्वेषण कार्य हेतु विशेष ध्यान दिया गया है।

उक्त पेट्रोलियम सम्भाव्य बेसिन में हाईड्रोकार्बन अन्वेषण हेतु ब्लॉक्स का चयन कर नोमिनेशन, संयुक्त अन्वेषण (JV), नई अन्वेषण लाईसेंस नीति (NELP), ऑपन एक्रेज लाइसेंसिंग पॉलिसी एवं डिस्कर्वड स्मॉल फिल्ड (DSF) पॉलिसी के अन्तर्गत बहुराष्ट्रीय/राष्ट्रीय कम्पनियों को आवंटित किये गये हैं। (सारणी संख्या 3 एवं 4)

ऑयल फिल्ड रेग्यूलेशन एवं डवलपमेंट एक्ट, 1948 तथा **तेल एवं प्राकृतिक गैस नियम, 1959** के अनुसार पेट्रोलियम निदेशालय द्वारा ओ.एन.जी.सी.एल., ऑयल इण्डिया लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड एवं राष्ट्रीय, निजी व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को नई अन्वेषण लाइसेंस नीति (NELP) एवं हाइड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसेंस नीति (HELP) के अंतर्गत OALP में आवंटित प्रकरणों पर शीघ्रता से कार्यवाही की जाकर रियायती प्रस्ताव शासन को नियमित रूप से अग्रेषित किये जा रहे हैं।

हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं दोहन की समीक्षाः—

अः बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा हाईड्रोकार्बन हेतु अन्वेषणः

- ➢ राष्ट्रीय कम्पनियों के साथ—साथ निजी (प्राइवेट) एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी राज्य में तेल, गैस एवं सीबीएम की खोज हेतु निम्नानुसार कार्यरत हैंः—

राज्य में तेल एवं गैस के विपुल भंडारो की खोज

कम्पनी का नाम	जिला	ब्लॉक नम्बर
केयर्न वेदांता लिमिटेड़	बाड़मेर,जालौर जिले	ब्लॉक आरजे—ओएन—90/1

- ➢ बहुराष्ट्रीय कम्पनी शैल इण्डिया द्वारा गुडामलानी (जिला बाड़मेर) में तेल की खोज की गई। प्रथम कुएं में तेल के संकेत मिले तथा दूसरे कुएं में 1910 मीटर की गहराई से उच्च दबाव से स्वतः ही तेल निकला। इस प्रकार राज्य में प्रथम बार लाइट क्रूड ऑयल की खोज की गई। इसे गुढा तेल क्षेत्र नामकरण किया गया।
- ➢ इस क्षेत्र में शैल की सहभागी कम्पनी केयर्न एनर्जी द्वारा वर्ष 2000—01 में पुनः सर्वेक्षण कार्य किया गया तथा सर्वेक्षण के उपरान्त वर्ष 2001 में कोसलू के पास 1837 मीटर की गहराई तक अन्वेषण कुएं की खुदाई की गई जिसमें 1400 मीटर से 1800 मीटर के मध्य 41/42 ए.पी.आई.

ग्रेविटी का उच्च किस्म का तेल प्राप्त हुआ। इस कूप से 20–40 मिलियन बैरल तेल भण्डारों का आंकलन किया गया। इसे 'सरस्वती तेल क्षेत्र' नामकरण किया गया।

- केयर्न एनर्जी द्वारा ग्राम नगर जिला बाड़मेर के निकट तीसरे अन्वेषण कूप की 3476 मीटर की गहराई तक खुदाई की गई, जिसमें 1241 मीटर से 2338 के मध्य 200 बैरल तथा 7.3 मिलियन क्यूबिक फीट गैस प्रतिदिन की आवक क्षमता मापी गई। इस प्रकार 2870 मीटर से 3050 मीटर के मध्य 2.2 मिलियन क्यूबिक फीट गैस प्रतिदिन की आवक क्षमता मापी गई। इस कुएं में अच्छे किस्म के 155 मिलियन बैरल तेल भण्डारों का आंकलन किया गया है। इसे 'रागेश्वरी तेल एवं गैस क्षेत्र' नामकरण किया गया।
- बाड़मेर–सांचोर बेसिन में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है तथा अड़ेल (क्यू स्ट्रक्चर) में 52 ए.पी.आई. ग्रेविटी एवं गुढ़ा के दक्षिण में जी.आर.एफ-(G.R.F.)–1 तेल की खोज की गई है। अड़ेल (क्यू स्ट्रक्चर) को 'कामेश्वरी तेल क्षेत्र' नामकरण किया गया।
- नगाणा–कवास क्षेत्र में जोगासर के पास एनबी–1 कुएं की खुदाई में प्रारम्भिक आंकलन के अनुसार 450 से 1100 मिलियन बैरल तेल के इनप्लेस भंडार खोजे गए है जिसमें 200 से 250 मिलियन बैरल भण्डार दोहन योग्य हैं। इसे 'मंगला तेल क्षेत्र' नामकरण किया गया'।
- बायतू के पास एन.ए.–1 कुएं की खुदाई में प्रारम्भिक आंकलन के अनुसार 130 से 470 मिलियन बैरल तेल भण्डार खोजे गए जिसमें 40–50 मिलियन बैरल दोहन योग्य है। इसे 'एश्वर्या तेल क्षेत्र' नामकरण किया गया।
- नगाणा के पास एन.सी.–1 कुएं की खुदाई में प्रारम्भिक आंकलन के अनुसार 40–50 मिलियन बैरल तेल भण्डार खोजे गए है। जिसमें 15–20 मिलियन बैरल तेल दोहन योग्य है। इसे शक्ति नामकरण किया गया।
- बोंथिया के पास एन.वी.–1 कुएं की खुदाई में प्रारम्भिक आंकलन के अनुसार 300 मिलियन बैरल तेल भण्डार खोजे गए हैं। जिसमें 60–75 मिलियन बैरल तेल दोहन योग्य है। इसे 'भाग्यम' नामकरण किया गया।
- इस प्रकार बाड़मेर–सांचोर बेसिन में अब तक कुल 38 तेल एवं गैस फील्ड की खोज की गई है जो कि निम्नानुसार हैः– गुढा, सरस्वती, रागेश्वरी ऑयल, रागेश्वरी डीप गैस, कामेश्वरी, मंगला, ऐश्वर्या, विजया, वंदना, बाडमेर–हिल, भाग्यम, शक्ति, जीएसवी, एन–सी–वेस्ट, एनआई, भाग्यम–साउथ, एनआई–नोर्थ, एनई, एनपी, शक्ति–एनई–1, केडब्ल्यू–2, केडब्ल्यू–3, सरस्वती क्रेस्ट, केडब्ल्यू–6, तुकाराम, रागेश्वरी–एस1, एबीएच, वी2वाई–चैनल, गुढा–एस7, एनआर–3, केडब्ल्यू–8, एसएल–1, एनएल–2, डीपी–1, सरस्वती–एसडब्ल्यू, ऐश्वर्या–46, सरस्वती बेसमेन्ट एवं रागेश्वरी नोर्थ–1। इस बेसिन में लगभग 150.40 मिलियन बैरल तेल के सिद्ध भण्डार का

नवीनतम आंकलन किया गया तथा मंगला ऑयल फील्ड विगत 3 दशकों में देश में सबसे बडी भूमिय (On land) खोज माना गया है।

- बाड़मेर–सांचोर बेसिन में दोहन हेतु कुल 923 कुएं खोदे जा चुके हैं। बाडमेर क्षेत्र से खनिज तेल के व्यवसायिक उत्पादन हेतु सरस्वती एवं रागेश्वरी फिल्ड में वेल पेड तथा मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल का निर्माण पूर्ण किया गया। मंगला तेल क्षेत्र से खनिज तेल का उत्पादन दिनांक 29.08.2009 से आरम्भ किया गया। सरस्वती तेल क्षेत्र से खनिज तेल का उत्पादन जुलाई, 2011 से आरम्भ किया जा चुका है। साथ ही रागेश्वरी गैस क्षेत्र से प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जाकर खनिज तेल के उत्पादन हेतु ऑपरेशन प्रयोजनार्थ उपभोग किया जा रहा है तथा गैस का व्यावसायिक उत्पादन भी 23.03.2013 से आरम्भ हो चुका है। भाग्यम फिल्ड से दिनांक 21.01.2012 से उत्पादन आरम्भ किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त ऐश्वर्या फिल्ड से खनिज तेल का उत्पादन दिनांक 23 मार्च, 2013 को आरम्भ किया जा चुका है।
- बाड़मेर–सांचोर बेसिन से खनिज तेल का उत्पादन दिनांक 29.08.2009 से माह दिसम्बर, 2023 तक कुल उत्पादन 970.21 लाख मैट्रिक टन अर्थात 698.21 मिलियन बैरल हो चुका है।

कम्पनी का नाम	**जिला**	**ब्लॉक नम्बर**
फोकस एनर्जी	शाहगढ़ क्षेत्र जिला जैसलमेर	ब्लॉक आर.जे.–ओएन / 6

- भारत सरकार द्वारा शाहगढ़ क्षेत्र, जिला जैसलमेर में फोकस एनर्जी लि. को एक ब्लॉक आवंटित किया गया है, जिस पर कम्पनी द्वारा डेटा रिप्रोसेसिंग का कार्य किया गया है। 1037.28 लाइन कि.मी. द्विआयामी भूकम्पीय सर्वे कार्य का संग्रहण व 2312.92 वर्ग किमी. त्रिआयामी भूकम्पीय सर्वे कार्य का प्रोसेसिंग व विश्लेषण किया जाकर छिद्रण हेतु स्थान चिन्हित किये गये थे। कम्पनी द्वारा अब तक 161 कुओ की खुदाई की गई है।
- कम्पनी द्वारा इन कुओ के अन्तर्गत विस्तृत गैस भंडार की खोज की गई है जो कि उच्च गुणवत्ता की गैस है, जिसमें 88 से 91 प्रतिशत हाइड्रोकार्बन होने के कारण पाकिस्तान के स्वान व मियानों क्षेत्रों के समकक्ष मानी गई है।
- क्षेत्र में लगभग 2106.6 मिलियन घनमीटर गैस के सिद्ध भंडार खोजे गए हैं। कंपनी द्वारा राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम एवं गेल के साथ उत्पादित प्राकृतिक गैस को सप्लाई करने हेतु अनुबन्ध किया गया है, जिसके अन्तर्गत वर्तमान में लगभग 4.2–5.2 लाख घनमीटर प्राकृतिक गैस प्रतिदिन उत्पादित कर रामगढ़ पावर प्लांट को सप्लाई की जा रही है।

ब: तेल एवं गैस के दोहन हेतु पेट्रोलियम खनन पट्टा अनुदान

(i)

कम्पनी का नाम	जिला
ऑयल इण्डिया लि.	तनोट जिला जैसलमेर (246.45 वर्ग किमी)

- पी.एम.एल. ब्लॉक तनोट–डांडेवाला में 3 क्षेत्र तनोट, डांडेवाला तथा बागीटिब्बा सम्मिलित हैं। क्षेत्र में लगभग 2411.3 मिलियन घनमीटर गैस के सिद्ध भंडार खोजे गए हैं तथा वर्तमान में इस क्षेत्र के 22 कुओं से गैस का उत्पादन प्रगति पर है।
- इस क्षेत्र से वर्तमान में लगभग 4.5–5 लाख घन मीटर प्रतिदिन प्राकृतिक गैस का उत्पादन हो रहा है।

(ii)

कम्पनी का नाम	जिला
ओएनजीसीएल	मनहेरा टिब्बा जिला जैसलमेर (24 वर्ग किमी)

- कुल गैस उत्पादक कुऐं :– एमटी–1 तथा 2, एमटी–8, एमटी–10, एमटी–10ए एमटी–13ए, एमटी–14, एमटी–15, एमटी–17 तथा डब्लू एमटी–1
- कुएं मनहेरा टिब्बा–17 व पश्चिमी मनहेरा टिब्बा–1 को गैस पाईपलाईन से जोडने का कार्य पूर्ण कर लिया गया जिससे गैस उपलब्धता की प्रतिबद्धता को पूर्ण किया जा सके।
- गैस उत्पादन :– इस क्षेत्र से 0.50 लाख घन मीटर प्राकृतिक गैस का प्रतिदिन उत्पादन किया जा रहा था लेकिन फिल्ड से गैस में हाई डयू पाइंट होने के कारण गेल द्वारा गैस की सप्लाई दिनांक 03.10.2018 से नहीं ली जा रही है। ओएनजीसीएल ने इस क्षेत्र से निकलने वाली गैस में हाई डयू पाइंट कम करने के लिए गमनेवाला में गैस डिहाइड्रेशन यूनिट (जीडीयू) की स्थापना की है। वर्तमान में ओएनजीसीएल अपने इस पीएमएल से पुनः गैस उत्पादन शुरू करने की स्थिति में है। गैस सप्लाई हेतु राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि0 (RRVUNL) के साथ गैस सेल्स एग्रीमेंट दिनांक 24.07.2023 को हस्ताक्षरित किया गया है।

(iii)

कम्पनी का नाम	जिला
ओएनजीसीएल / फोकस एनर्जी लि..	एस.जी.एल.डवलपमेन्ट एरिया जिला जैसलमेर (176 वर्ग किमी)

- मैसर्स फोकस एनर्जी द्वारा इस क्षेत्र में 83 डवलपमेंट कुएं खोदे गए हैं एवं गेल इंडिया एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के साथ प्राकृतिक गैस सप्लाई करने हेतु करार किया गया है, जिसके अन्तर्गत वर्तमान में लगभग 1.5–1.8 लाख घनमीटर प्राकृतिक गैस प्रतिदिन रामगढ़ पावर प्लांट को सप्लाई की जा रही हैं।

रामगढ़ गैस आधारित विद्युत घर

- जैसलमेर जिले के तनोट–डांडेवाला व बागी–टिब्बा क्षेत्रों में ऑयल इण्डिया लिमिटेड द्वारा तथा मनहेरा टिब्बा, घोटारू, बांकिया, खरतार, बांखरी टिब्बा, सादेवाला, चिन्नेवाला टिब्बा आदि क्षेत्रों में ओ.एन.जी.सी.लि. द्वारा गैस भण्डारों की खोज की गई है, जिसमें से तनोट–डांडेवाला, बागी टिब्बा एवं मनहेरा टिब्बा क्षेत्रों से गैस का उत्पादन कर रामगढ़ स्थित विद्युत संयंत्र को आपूर्ति की जा रही है।
- गेल इंडिया एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के साथ प्राकृतिक गैस सप्लाई करने हेतु किये गये करार के अन्तर्गत ऑयल इण्डिया द्वारा वर्तमान में लगभग 4.5–5 लाख घन मीटर प्राकृतिक गैस एवं मैसर्स फोकस एनर्जी द्वारा वर्तमान में लगभग 4.2–5.2 लाख घनमीटर प्राकृतिक गैस की प्रतिदिन रामगढ़ पावर प्लांट को सप्लाई की जा रही हैं।

(iv)

कम्पनी का नाम	जिला
ओएनजीसीएल	चिन्नेवाला टिब्बा जिला जैसलमेर (44.83 वर्ग किमी)

- पी.एम.एल. ब्लॉक चिन्नेवाला टिब्बा में चिन्नेवाला टिब्बा, अचलेवाला टिब्बा व राहिबीवाला टिब्बा क्षेत्र सम्मिलित हैं। उक्त क्षेत्र में 3 कुओं की खुदाई की गई जिसमें से 2 कुएं परीक्षण के पश्चात् ड्राई वैल होने के कारण बंद कर दिए गए। एक कुए सीटी–4 में गैस की उपस्थिति दर्ज की गई है जिसे उत्पादन श्रंखला में रखे जाने की योजना प्रगति पर है।

(V)

कम्पनी का नाम	जिला
ऑयल इण्डिया लि.	बागेवाला जिला जैसलमेर एवं बीकानेर (200.26 वर्ग किमी)

- भारत सरकार द्वारा ऑयल इण्डिया को भारी तेल के अन्वेषण एवं दोहन हेतु एक ब्लॉक बागेवाला क्षेत्र, जिला जैसलमेर में 210 वर्ग0किमी0 का आवंटित किया गया, जिसे राज्य सरकार

द्वारा 30.05.2003 को 20 वर्ष हेतु स्वीकृत किया गया। इसके उपरांत राज्य सरकार द्वारा 30.05.2023 को 200.26 वर्ग किमी. का खनन पट्टा रिग्रान्ट किया गया।

- ऑयल इण्डिया द्वारा बागेवाला क्षेत्र, जिला जैसलमेर में पेट्रोलियम अन्वेषण के अन्तर्गत वर्ष 1991 में भारी तेल के विपुल भंडार की खोज की गई।
- भारी तेल (हैवी ऑयल) के दोहन की तकनीक उपलब्ध नहीं होने के कारण अब तक इन भंडारों का दोहन संभव नहीं हो पाया था क्योंकि भारी तेल का स्वतः प्रवाह नहीं होता है। इसके दोहन एवं विकास हेतु ऑयल इंडिया लि. द्वारा नवम्बर 2003 में वेनेजुएला की पीडीवीएसए (PDVSA) कम्पनी के साथ अनुबंध किया गया, जिसके अन्तर्गत भूगर्भीय तेल स्त्रोत का अध्ययन कर पायलट वेल की खुदाई कर परीक्षण किया जाना प्रस्तावित था। पीडीवीएसए कम्पनी द्वारा भूगर्भीय तेल स्त्रोत के अध्ययन का कार्य पूर्ण करने के उपरान्त हैवी ऑयल परिक्षण कुऑ नं. बीजीडब्ल्यू: 6 (कुल गहराई 856 मीटर) में वर्क ओवर करने के लिए रिव्यु किया गया। पायलट परीक्षण के आधार पर हेवी ऑयल का उत्पादन किया जा रहा है।
- भारी तेल के 25 मिलियन टन एवं बिटुमिन के 53 मिलियन टन प्रमाणित भण्डारों के दोहन हेतु पायलट परीक्षण हेतु ऑयल इंडिया द्वारा वेनेजुएला की पीडीवीएसए कम्पनी के साथ किये गये करार के अन्तर्गत भारी तेल के उत्पादन परीक्षण हेतु बागेवाला क्षेत्र में दो परीक्षण कुओं की खुदाई की गई। इसके अन्तर्गत लगभग 64 मैट्रिक टन भारी तेल का परीक्षण उत्पादन किया गया। वर्तमान में 19 कुओं से 570 बैरल प्रतिदिन हैवी ऑयल का उत्पादन प्रगति पर है।

(vi)

कम्पनी का नाम	जिला
ओएनजीसीएल	घोटारू विस्तार (590.44 वर्ग किमी) जिला जैसलमेर

- कम्पनी द्वारा 70,000 घन मीटर प्रतिदिन गैस उत्पादन करने की योजना है किन्तु यह न्यून श्रेणी की गैस होने के कारण उपयुक्त खरीददार मिलने पर ही उत्पादन किया जाना संभव होगा।
- ओएनजीसीएल द्वारा इस क्षेत्र के विकास एवं गैस के उचित उपयोग हेतु मैसर्स दीप इंडस्ट्रीज लि. (DIL) को कार्य करने का अनुबंध किया है, जिसके अंतर्गत मैसर्स ओएनजीसीएल व मैसर्स डी.आई.एल. द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे कार्य करने के पश्चात् क्षेत्र के विकास एवं उत्पादित गैस के समुचित उपयोग हेतु मार्केटिंग सर्वे के साथ साथ गैस को सीएनजी में तब्दील करने का कार्य प्रस्तावित है।

- मैसर्स डी.आई.एल. द्वारा घोटारू, बाकिया व खारातार गैस क्षेत्रों का निरीक्षण कर लिया गया। गैस गेदरिंग स्टेशन पर सर्वे इत्यादि कार्य के लिये बेस केम्प स्थापित करने के लिये भूमि चयन का कार्य किया गया।
- क्षेत्र में अब तक खोदे गए 33 कुओं में से 14 कुओं में गैस की उपस्थिति पाई गई है तथा 19 कुऐं ड्राई वैल होने के कारण बंद कर दिए गए हैं।
- गैस कलेक्शन स्टेशन, बाकियाः–गैस कलेक्शन स्टेशन बाकिया पर कार्य पूर्ण तथा घोटारू वेलहेड से बांकिया गैस कलेक्टिंग स्टेशन के बीच 15 किमी0 पाईप लाईन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- मैसर्स डीआईएल द्वारा ओएनजीसी को 3 मार्जिनल फील्ड्स घोटारू, बाकिया एवं खरातार के फील्ड डवलपमेन्ट प्लान प्रस्तुत किए गए।
- विभाग द्वारा इस गैस की गुणात्मकता बढ़ाने के लिए संयंत्र लगाने हेतु विस्तृत अध्ययन हेतु निर्देशित किया गया है, इस गैस का उपभोग चिन्नेवाला क्षेत्र की उच्च्व गुणवत्ता गैस के साथ मिश्रित कर किया जा सकता है।
- घोटारू–विस्तार एवं मनहेरा टिब्बा खनन पट्टा क्षेत्र में कुल 200.3157 वर्ग कि.मी. त्रिआयामी भूकम्पीय आंकडों के संग्रहण किया।

(vii)

कम्पनी का नाम	**जिला**
ओएनजीसीएल	दक्षिण खारातारः– ओएनजीसी क्षेत्र जिला जैसलमेर (क्षेत्र 179.05 वर्ग किमी)

- उक्त ब्लॉक में चवरवाला दारा एवं लंगवाला टिब्बा क्षेत्र सम्मिलित है। चवरवाला दारा में एक्सप्लोरेटरी वैल की खुदाई की गई है, जिसमें गैस की उपस्थिति पाई गई है। चूॅकि यह कुॅआं आईसोलेटेड है तथा समीपस्त प्रोडक्शन फैसिलिटी गमनेवाला क्षेत्र में है, जो कि इससे लगभग 50 कि0मी0 दूरी पर है। इस कारण इस कुॅए के गैस पूल की उपस्थिति का अंदाजा लगाया जाना है, जिसके लिए एक्सप्लोरेटरी कुॅओं की खुदाई की जानी प्रस्तावित है। एक्सप्लोरेटरी कुॅओं की खुदाई से चिन्नेवाला टिब्बा एवं चवरवाला दारा क्षेत्र के बीच में गैस की उपस्थिति का पता लगाया जा सकेगा।
- त्रिआयामी भूकम्पीय आंकड़ों के संग्रहण का कार्य पूर्ण कर कुल 586.7227 वर्ग किमी. त्रिआयामी भूकम्पीय आंकड़ों के संग्रहण का कार्य पूर्ण किया गया।

(viii)

कम्पनी का नाम	जिला
ओएनजीसीएल / केयर्न वेदांता लिमिटेड़	मंगला जिला बाडमेर (1859 वर्ग किमी)

- बाड़मेर क्षेत्र से खनिज तेल के व्यवसायिक उत्पादन हेतु वेलपेड, पाइप लाईन, स्टोरेज टैंक आदि इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण के अन्तर्गत सरस्वती एवं रागेश्वरी फिल्ड में वेल पेड निर्माण तथा मंगला प्रोससिंग टर्मिनल का निर्माण पूर्ण किया गया।
- मंगला तेल क्षेत्र से खनिज तेल का उत्पादन दिनांक 29.08.2009 से आरम्भ होने के उपरान्त सरस्वती से खनिज तेल तथा रागेश्वरी से प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जा रहा है। एश्वर्या क्षेत्र से खनिज तेल का वाणिज्यिक उत्पादन दिनांक 23.03.2013 से किया जा रहा है। वर्तमान में मंगला, सरस्वती, रागेश्वरी, गुढा, एश्वर्या एवं एबीएच क्षेत्रों से खनिज तेल का व्यवसायिक उत्पादन हो रहा है। वर्तमान में लगभग 69,000–79,500 बैरल प्रतिदिन खनिज तेल का उत्पादन प्रगति पर है।

(ix)

कम्पनी का नाम	जिला
ओएनजीसी / केयर्न वेदांता लिमिटेड़	भाग्यम शक्ति जिला बाडमेर (क्षेत्र 430.17 वर्ग किमी)

- फिल्ड विकास के उपरान्त भाग्यम, एनई एवं एनआई क्षेत्रों से खनिज तेल का व्यवसायिक उत्पादन आरम्भ किया जा चुका है। वर्तमान में लगभग 13,000–15,500 बैरल प्रतिदिन खनिज तेल का उत्पादन प्रगति पर है। इस फिल्ड से उत्पादित क्रुड ऑयल मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल को भेजा जा रहा है।

(x)

कम्पनी का नाम	जिला
ओएनजीसीएल / केयर्न वेदांता लिमिटेड़	कामेश्वरी वेस्ट जिला बाडमेर (क्षेत्र 822.00 वर्ग किमी)

- कामेशवरी वेस्ट में 14 अप्रैल 2017 से क्रुड ऑयल का उत्पादन चालू हो गया है। इस फिल्ड से प्रतिदिन लगभग 125 से 145 बैरल क्रुड ऑयल का उत्पादन हो रहा है। इस फिल्ड से उत्पादित क्रुड ऑयल मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल को भेजा जा रहा है।

(xi)

चिन्नेवाला डिस्कवर्ड स्मॉल क्षेत्र

कम्पनी का नाम	जिला
ऑयल एंड नेचूरल गैस कॉरपोरेशन लि. (ओएनजीसीएल)	चिन्नेवाला डिस्कवर्ड स्मॉल क्षेत्र जिला जैसलमेर (क्षेत्र 73.004 वर्ग किमी) (डीएसएफ–II)

➢ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार की डिस्कवर्ड स्माल फिल्ड पॉलिसी के तहत राजस्थान में चिन्नेवाला जिला जैसलमेर में तेल एवं गैस की खोज के लिए डीएसएफ–II में ओएनजीसीएल को एक ब्लॉक स्वीकृत किया गया है। उक्त ब्लॉक में तीन कुँओं में गैस की उपस्थिति पाई गई है तथा तीन डवलपमेंट लोकेशन एवं तीन अप्रेजल लोकेशन में दिनांक 31.12.2023 तक ड्रिलिंग का कार्य किया गया है। ओएनजीसीएल द्वारा अन्वेषण कार्य करने से राज्य में नये तेल एवं गैस भंडार मिलने की संभावना है। चिन्नेवाला फिल्ड से जीसीएस गमनेवाला फिल्ड तक गैस पाईप लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिससे इस फिल्ड से गैस जीसीएस गमनेवाला तक लाई जा सकेगी।

(xii)

बाखरी टिब्बा डिस्कवर्ड स्मॉल क्षेत्र

कम्पनी का नाम	जिला
ऑयल इण्डिया लिमिटेड (ओआईएल)	बाखरी टिब्बा डिस्कवर्ड स्मॉल क्षेत्र जिला जैसलमेर (क्षेत्र 66.67 वर्ग किमी) (डीएसएफ–III)

➢ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार की डिस्कवर्ड स्माल फिल्ड पॉलिसी के तहत राजस्थान में बाखरी टिब्बा डिस्कवर्ड स्मॉल क्षेत्र जिला जैसलमेर में तेल एवं गैस की खोज के लिए ऑयल इण्डिया लि0 को डीएसएफ–III में एक ब्लॉक स्वीकृत किया गया है। उक्त क्षेत्र पूर्व में ओएनजीसीएल के पास धारित था, जिसमें 7 कुंओं की खुदाई की गई थी। जो कि ड्राई वैल होने के कारण बन्द कर दिए गए थे। ऑयल इण्डिया लि0 द्वारा नए कुओं की खुदाई का कार्य प्रारम्भ किया जाएगा।

सारणी संख्या –1

आय – व्यय पत्रक वर्ष 2023–2024

(अ)	**राजस्व लक्ष्य**	(करोड रूपयो में)
	लक्ष्य	5500
	प्राप्ति	2654.94 (31 दिसम्बर, 2023 तक)
(ब)	**व्यय**	(लाख रूपयो में)
	आवंटित बजट	प्रतिबद्व (कमिटेड) मद – 204.14 स्कीम (रेवेन्यू) – 39.83 स्कीम (कैपिटल) – 1,24,409.00
	वास्तविक व्यय (31 दिसम्बर, 2023 तक)	प्रतिबद्व (कमिटेड) मद – 112.49 स्कीम (रेवेन्यू) – 26.59 स्कीम (कैपिटल) – 10,4000.00

सारणी संख्या–2 कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या

क्र.सं.	पद का नाम	स्वीकृत पदो की संख्या	रिक्त पदो की संख्या
1.	निदेशक	1	1
2.	अतिरिक्त निदेशक	1	0
3.	संयुक्त निदेशक	1	0
4.	उप निदेशक	2	0
5.	सहायक निदेशक	3	3
6.	वरिष्ठ – लेखाधिकारी	1	1
7.	सहायक लेखाधिकारी प्रथम	1	0
8.	कनिष्ठ लेखाकार	2	0
9.	वरिष्ठ मानचित्रकार	1	0
10.	खनि कार्यदेशक प्रथम	1	0
11.	सर्वेयर	1	1
12.	सूचना सहायक	1	0
13.	वरिष्ठ सहायक	1	0
14.	कनिष्ठ सहायक	2	0
15.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	4	1
16.	वाहन चालक	2	1
	योग	25	8

सारणी संख्या – 3

पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की सूची

क्र.सं	क्षेत्र का नाम	क्षेत्र (वर्ग किमी)	कब से	किसके पक्ष में	आवंटन प्रक्रिया
1.	RJ-ONHP-2017/1	542	27.05.2019	वेदांता लि.	OALP (Bid Round-I)
2.	RJ-ONHP-2017/2	1071.97	27.05.2019	वेदांता लि	OALP (Bid Round-I)
3.	RJ-ONHP-2017/3	1418.33	27.05.2019	वेदांता लि	OALP (Bid Round-I)
4.	RJ-ONHP-2017/4	1087.29	27.05.2019	वेदांता लि	OALP (Bid Round-I)
5.	RJ-ONHP-2017/5	916.60	27.05.2019	वेदांता लि	OALP (Bid Round-I)
6.	RJ-ONHP-2017/6	924.60	27.05.2019	वेदांता लि	OALP (Bid Round-I)
7.	RJ-ONHP-2017/7	602.63	27.05.2019	वेदांता लि	OALP (Bid Round-I)
8.	CB-ONHP-2017/10	2766 (666.19 राजस्थान में)	27.05.2019	वेदांता लि.	OALP (Bid Round-I)
9.	RJ-ONHP-2018/1	417.44	22.06.2020	वेदांता लि.	OALP (Bid Round-II)
10.	RJ-ONHP-2018/2	3016.34	19.06.2020	ऑयल इंडिया लि.	OALP (Bid Round-III)
11.	RJ-ONHP-2019/1	2118.83	13.07.2020	ओएनजीसीएल	OALP (Bid Round-IV)
12.	RJ-ONHP-2019/2	1520.08	17.06.2021	ऑयल इंडिया लि.	OALP (Bid Round-V)
13.	RJ-ONHP-2019/3	1819.48	17.06.2021	ऑयल इंडिया लि.	OALP (Bid Round-V)
14.	RJ-ONHP-2021/1	486.39	30.11.2022	गेल इंडिया लि.	OALP (Bid Round-VII)

सारणी संख्या – 4

पेट्रोलियम खनन पट्टों की सूची

क्र.सं	क्षेत्र का नाम	क्षेत्र (वर्ग किमी)	कब से	किसके पक्ष में
1.	मनहेरा टिब्बा, जिला जैसलमेर	24.00	01.05.1994	ओ.एन.जी.सी. एल.
2.	तनोट–डांडेवाला, जिला जैसलमेर	250.00	01.01.1996	ऑयल इण्डिया लि.
3.	घोटारू विस्तार, जिला जैसलमेर	562.76	10.01.2001	ओ.एन.जी.सी.एल.
4.	चिन्नेवाला–टीबा, जिला जैसलमेर	45.176	15.10.2003	ओ.एन.जी.सी.एल.
5.	बागेवाला, जिला जैसलमेर	210.00	30.05.2003	ऑयल इंडिया लि.
6.	मंगला क्षेत्र, जिला बाड़मेर / जालोर	1859.00	20.06.2005	ओएनजीसी / केयर्न वेदांता लिमिटेड
7.	भाग्यम–शक्ति, जिला बाडमेर	430.17	15.11.2006	ओएनजीसी / केयर्न वेदांता लिमिटेड
8.	कामेश्वरी–वेस्ट,	822.00	06.11.2007	ओएनजीसी / केयर्न वेदांता लिमिटेड
9.	एस.जी.एल.डवलपमेन्ट एरिया	176.00	23.06.2010	ओएनजीसी / फोकस एनर्जी
10.	साउथ खरातार	177.63	25.03.2011	ओ.एन.जी.सी.एल.
11.	चिन्नेवाला, जिला जैसलमेर	73.004	02.12.2019	ओ.एन.जी.सी.एल.
12.	बाखरी टिब्बा, जिला जैसलमेर	66.67	16.06.2023	ऑयल इण्डिया लि0